Manasvi Vani

Date: 09/03/2021

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

मनस्वी वाणी संवाददाता

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ रोड पर स्थित आईटीएस कॉलिज मे अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। जिसका विषय महिला नेतृत्वः कोविड-19 की दुनिया में एक समान भविष्य को प्राप्त करना था। चैयरमेन आरपी चड्ढा, वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, डॉ0 देवी चरण शेट्टी प्रिंसिपल, आईटीएस डेन्टल कॉलिज , डॉ0 सीएस राम प्रिंसिपल, आईटीएस इंस्टिट्यूट ऑफ हैल्थ एण्ड एलाईड सांइसेस एवं डॉ0 संजीव शर्मा एचओडी, बायोटेक्नालाजी डिपार्टमेंट ने उपस्थिति से अपने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा की प्रेरणा से इस कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

Current Crime

Date: 09/03/2021

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में मनाया गया अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

चेयरमैन आर.पी. चड्ढा का लक्ष्य प्रारम्भ से ही महिलाओं को समाज में उत्तम शिक्षा के साथ-साथ सम्मान दिलाना है

मुरादनगर (करंट क्राइम)। नगर क्षेत्र में मेरठ-दिल्ली मार्ग स्थित आईटीएस कॉलिज में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। जिसका विषय महिला नेतृत्वः कोविड-19 की दुनिया में एक समान भविष्य को प्राप्त करना था। यह विषय कोविड-19 महामारी के दौरान दुनिया भर में लड़कियों और महिलाओं के योगदान को समर्पित करता है। चेयरमैन आर.पी. चड्ढा, वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, डॉ. देवी चरण शेट्टी प्रिंसिपल, डॉ. सी.एस. राम प्रिंसिपल एवं डॉ. संजीव शर्मा एचओडी ने उपस्थिति से अपने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा की प्रेरणा से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उनका लक्ष्य प्रारम्भ से ही महिलाओं को समाज में उत्तम शिक्षा के साथ-साथ सम्मान दिलाना है। आईटीएस कॉलिज मुरादनगर मे महिला छात्राओं की संख्या काफी अधिक है, जो कि इस बात को दर्शाता है कि यहां पर बिना किसी भेदभाव के उच्चतम शिक्षा का प्रदान किया जाता है।

संस्थान मे कई दंत विभागो मे महिला एचओडी के रूप में कार्यरत भी है। ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा हमेशा से ही इस तरह के कार्यक्रमों के लिये प्रेरित तथा सहयोग करते रहते है। विश्वभर में हर साल 8 मार्च को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों के साथ विश्व शांति को बढ़ावा देना है। यह एक ऐसा दिन है जिसमें महिलाओं को उनकी सफलता के लिये बिना किसी विभाजन के राष्ट्रीय, जातीय, भाषा, सांस्कृतिक, आर्थिक तथा राजनीतिक के रूप में पहचाना जाता है। यह दिन महिलाओं के अधिकारों को समाज में सुरक्षित करने तथा विश्वभर में एक समान समाज बनाने के लिये उनकी प्रेरणादायक भूमिका को भी याद करता है। तथा कार्यस्थल में महिलाओं की भूमिका को बढ़ावा भी देता है। आजकल समाज मे अपराध बढ़ रहे है, खासकर महिलाओं को लेकर और इससे कोई फर्क नही पड़ता कि आप कहां रहते है या काम करते है, आपको हिंसक या घुसपैठ के अपराध का खतरा रहता है। इससे निपटने के लिए केवल एक सही तरीका है, कुछ मनोवैज्ञानिक, शारीरिक और आत्मरक्षा उपकरणों के साथ अपना बचाव करना। इस अवसर पर संस्थान ने संतोष कुमार वाइल्ड कुंगफू एसोसिएशन के अध्यक्ष और ब्लैक बेल्ट कराटे मे प्राप्त है ' उनको कॉलिज में आमंत्रित किया गया था। वह महिलाओं को मार्शल आर्ट से आत्मरक्षा करने के लिए तैयार करते है। इसी को ध्यान मे रखते हुए महिला छात्रों के लिए एक प्रदर्शन किया गया ' जिसमे सड़क पर लड़ाई की स्थिति से निपटने के बारे मे जागरूक किया गया। मास्टर संतोष कुमार द्वारा प्रदर्शित इन आत्मरक्षा गतिविधियों में सभी महिला छात्रों ने भाग लिया। इसके अलावा छात्रों द्वारा महिला नेतृत्वः कोविड-19 की दुनिया में एक समान भविष्य को प्राप्त करना विषय पर एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया।

महिलाओं की उन्नति और मौखिक स्वास्थ्य के विषय पर बीडीएस महिला छात्रों के लिए मौखिक स्वास्थ्य के बारे मे चर्चा भी की गयी। इसके साथ ही महिला छात्रों के लिए एक डिजिटल पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया ' जिसमें सभी महिला छात्रों ने भाग लिया। अंत मे विजेताओं को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्थान को डेन्टल ओडी में आने वाली सभी महिला मरीजों को मुफ्त में ओपीडी कार्ड और उनका दंत उपचार किया गया। इसके साथ ही महिला मरीजों के लिए एक इंटरेक्टिव सत्र भी आयोजित किया गया' जिसमे उन्हें विभिन्न मौखिक स्वच्छता से संबन्धित जानकारी दी गयी। डॉ. सी.एस. राम ने फ्रैजर बैच को आईटीएस कॉलिज के महिला सैल से परिचित कराया और बताया कि छात्रायें सभी प्रकार की शिकायतों के लिये महिला सैल से सम्पर्क कर सकती हैं और सभी शिकायतों की जाँच एवं उनके खिलाफ कार्यवाही सही तरह से की जाती है। फिजियोथैरेपी और बायोटेक विभाग की छात्राओं ने महिला सशक्तिकरण से संबंधित बहुत सारे रंगारंग कार्यक्रम जैसे नृत्य, संगीत, कविता आदि प्रस्तुत किये। बीपीटी की छात्राओं ने समाज के एक बहुत ही संवेदनशील विषय-माहवारी, पर नाट्य रूपांतरण प्रस्तुत किया और माहवारी के दौरान स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाई। उन्होंने इस दौरान स्वच्छता का ध्यान न रखने के कारण होने वाली बीमारियों के बारे में भी बताया। इस नाटकीय प्रस्तुति का अंत काजल चौधरी द्वारा रचित एक सुंदर कविता से किया गया। कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी विद्यार्थियों ने चेयरमैन डॉ। आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Amar Ujala

Date: 09/03/2021

मनचलों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए बेटियों ने पेन को बनाया हथियार

माई सिटी रिपोर्टर

छात्राओं को दिए आत्म सुरक्षा के टिप्स कराया अभ्यास

गाजियाबाद। घर से कॉलेज या ट्यूशन आते जाते समय आपके साथ कोई छेड़छाड़ करता है तो आपको निडरता के साथ उसे जवाब देना चाहिए। आप जरा भी डरे तो सामने वाला व्यक्ति आप पर हावी हो जाएगा। इससे आपके साथ किसी भी वारदात को अंजाम दे सकता है इसलिए अलर्ट रहना चाहिए, जिससे सामने वाले को मुंहतोड़ जवाब दे सकें। छात्राओं को आत्मरक्षा के टिप्स दिए गए।

महिला दिवस के उपलक्ष्य में आईटीएस डेंटल कॉलेज मुरादनगर में अपराजिता कार्यक्रम के तहत छात्राओं को विशेषज्ञ संतोष कुमार एवं पूनम रावत ने आत्मरक्षा के बारे में समझाया। उन्होंने कहा कि छात्राएं अपने आपको कमजोर समझती हैं जबकि ऐसा नहीं है वह लड़कों से कहीं ज्यादा मजबूत हैं। बस उन्हें हिम्मत और निडरता की आवश्यकता है। हिम्मत आने पर वह किसी को भी मुंहतोड़ जवाब दे सकती हैं। उन्होंने छात्राओं को धारदार हथियारों के माध्यम से हमला कर अभ्यास कराया।

आईटीएस कॉलेज में सेल्फ डिफेंस के गुर सीखतीं छात्राएं।

इस दौरान उन्होंने छात्राओं को समझाया कि वे किस-किस तरह से अपना बचाव कर सकती हैं। एक-एक कर छात्राओं ने अभ्यास किया और खुद को बचाने की तकनीक आजमाई। साथ ही हमला करने वाले व्यक्ति पर वह हमलावर दिखीं। विशेषज्ञ ने कहा कोई भी चीज आत्मविश्वास से बड़ी नहीं है। अगर हमारे अंदर आत्मविश्वास है तो हम किसी को भी हरा सकते हैं। उन्होंने छात्राओं को पेन से हमला करना सिखाया। छात्राओं ने भी सुरक्षा से संबंधित विभिन्न सवाल पूछे, जिसका दोनों विशेषज्ञों ने अभ्यास करके जवाब दिया।

हर समय रहें अलर्टः विशेषज्ञों ने कहा कि आप कहीं अकेले में खाना खा रहे हैं, वहां भी आपको बहुत ही सतर्क रहने की आवश्यकता है। कोई भी अपराधी आप पर हमला कर सकता है। नजरें आपकी हर समय अलर्ट रहनी चाहिए। ऐसा न हो आप एक स्थान पर बैठे हुए हैं और आपका ध्यान एक ही तरफ है। कुछ छोटी-छोटी चीजें हमें अपराध से बचा सकती हैं।

कन्या भ्रूण हत्या रोकने और महिला सम्मान पर दिया विशेष जोरः छात्राओं ने महिला दिवस पर कन्या भ्रूण हत्या रोकने और महिलाओं को सम्मान दिलाने पर जोर दिया। उन्होंने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से महिलाओं की पढ़ाई पर जोर दिया। कहा कि शिक्षा से ही महिला सम्मान पा सकती हैं इसलिए ज्यादा से ज्यादा शिक्षा ग्रहण करें।

बोलीं छात्राएं, अब डटकर करेंगी सामना

इस कार्यक्रम से हमारा डर निकल गया है। हमें सीखने को मिला की सड़क पर चलते समय नजरों को अलर्ट रखना है। जिससे अपराधी को समय रहते जवाब दे सकें। **- आकांक्षा**

अपराधी हमें वार कर तो अटैक करेगा नहीं। इस कार्यक्रम से हमें सीख मिली है कि अलर्ट रहने से हम स्वयं के अलावा अन्य को भी अपराध होने से बचा सकते हैं। **अनुष्का**

रास्ते में हम पर कोई हमला कर रहा है तो हमें उससे लड़ाई करनी चाहिए और शोर मचाना चाहिए। अगर कोई हमें बचाने नहीं आता है तो हमारा आत्मविश्वास इतना होना चाहिए कि अपराधी खुद ही भाग जाए। **- निहारिका**

मानसिक रूप से मजबूत होना हमें ज्यादा ताकतवर बनाता है। अगर हम दिमाग से मजबूत होंगे तो सामने वाले से लड़ सकते हैं। हमारी हिम्मत और निडरता को देखकर आरोपी खुद ही भाग जाएगा। **- नंदिता**

Dainik Jagran

Date: 09/03/2021

विचार गोष्ठी का आयोजन : हाईवे स्थित आइटीएस कालेज में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में महिला नेतृत्व व उनके समक्ष चुनौतियों पर चर्चा की गई। कालेज सभागार में आयोजित विचार गोष्ठी का मुख्य विषय महिला नेतृत्व : कोविड-19 की दुनिया में एकसमान भविष्य को प्राप्त करना रहा। गोष्ठी का शुभारंभ कालेज के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने किया। गोष्ठी में डॉ. देवीचरण शेट्टी, डॉ. सीएस राम एवं डॉ. संजीव शर्मा ने विचार रखे। वहीं, काइट कालेज में आयोजित कार्यशाला में मुख्य अतिथि क्षेत्र की पहली सैन्य कमीशन प्राप्त अधिकारी ले. कर्नल अंकिता श्रीवास्तव ने सेना में अपने अनुभवों व उपलब्धियों को साझा किया।

Dainik Athah

Date:09/03/2021

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का भव्य आयोजन

अथाह संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस कॉलिज, मुरादनगर में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। जिसका विषय (महिला नेतृत्वः कोविड-19 की दुनिया में एक समान भविष्य को प्राप्त करना) था। यह विषय कोविड-19 महामारी के दौरान दुनिया भर में लड़कियों और महिलाओं के योगदान को समर्पित करता है। चैयरमेन आर.पी. चड्ढा, वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, डॉ देवी चरण शेट्टी (प्रिंसिपल, आईटीएस डेन्टल कॉलिज), डॉ. सीएस राम (प्रिंसिपल, आईटीएस इंस्टिट्यूट आफ हैल्थ एण्ड एलाईड सांइसेस) एवं डॉ. संजीव शर्मा (एचओडी, बायोटेक्नालाजी डिपार्टमेंट) ने उपस्थिति से अपने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैमन, डॉ. आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा की प्रेरणा से इस कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। उनका लक्ष्य प्रारम्भ से ही महिलाओं को समाज में उत्तम शिक्षा के साथ-साथ सम्मान दिलाना है। आईटीएस कॉलिज, मुरादनगर मे महिला छात्राओं की सख्या काफी अधिक है जो कि इस बात को दशार्ता है कि यहाँ पर बिना किसी भेदभाव के उच्चतम शिक्षा का प्रदान किया जाता है। संस्थान मे कई दंत विभागो मे महिला एचओडी के रूप में कार्यरत भी है।

आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा हमेशा से ही इस तरह के कार्यक्रमों के लिये प्रेरित तथा सहयोग करते रहते है।

फिजियोथैरेपी और बायोटेक विभाग की छात्राओं ने महिला सशक्तिकरण से संबधित बहुत सारे रंगारंग कार्यक्रम जैसे नृत्य, संगीत, कविता आदि प्रस्तुत किये।

इस सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिय सभी विद्यार्थियों ने आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Dainik Jagran

Date: 09/03/2021

सफलता के लिए समय प्रबंधन जरूरी : संचिता

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद : अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2020 विजेता संचिता तिवारी ने सोमवार को डासना स्थित एक शैक्षिक संस्थान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मेधावी छात्राओं को सम्मानित कर उन्हें सफलता के गुर बताए।

संचिता राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीत चुकी हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए दिनचर्या में समय प्रबंधन जरूरी है।

संचिता तिवारी●

संचिता ने कहा उन्होंने आठ साल की उम्र तक डांस सीखा। वह एक रिएलिटी डांसिंग शो के लिए भी सेलेक्ट हुई थी, लेकिन सबसे बड़ी सफलता मुझे तीरंदाजी में ही मिली।

बता दें कि संचिता तिवारी अर्जेंटीना में आयोजित यूथ वर्ल्ड आर्चरी चैंपियनशिप में कांस्य मेडल जीता। ढाका में आयोजित आइएसएसएफ आर्चरी चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता। वह एशियन गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट अभिषेक वर्मा को अपना रोल मॉडल मानती हैं।